डॉ राधाकृष्णन से प्रभावित हो बने शिक्षक

शिक्षक दिवस पर विशेष : राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए चुने गए ग्रेटर नोएडा के महावीर सिंह

सिद्धार्थ शाह, ग्रेटर नोएडा

जीवन परिचय

नाम : महावीर सिंह, उम्र 62 वर्ष

निवासी : चीती गांव, दनकौर ब्लॉक

माता : रुमाली देवी

पिता : रिक्खन सिंह।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन हमेशा प्रेरणादायी रहा। उनके पद चिन्हों पर चलकर शिक्षक बनने का सपना पूरा किया।

शिक्षक जीवन में लोग महावीर सिंह को दनकौर का मोटा पानी कहकर पुकारते थे। पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति पुरस्कार से नई दिल्ली में सम्मानित होने वाले महावीर सिंह ने अपने शिक्षक जीवन की बातों को दैनिक जागरण से साझा किया। वह कहते हैं कि डॉ राधाकृष्णन का जीवन हमेशा प्रेरणादायी रहा। जब भी कोई कठिनाई होती है, तो इनके जीवन को जानने, समझने और आत्मसात करने की कोशिश करता हूं। कुछ हद तक सफलता भी मिली। राष्ट्रपति पुरस्कार से चुने जाने पर वह कहते है कि अब भी मुझे सपना सा लग रहा है। शिक्षक एक ऐसा गरिमामयी पद है, जिसमें भ्रष्टाचार नहीं होता है। शिक्षक जितना ज्ञान बांटता है, उतना अर्जित करता है। शिक्षक सम्मान चाहता है, और उसे कुछ नहीं चाहिए।

शिक्षक बच्चे को अंधियारे से उजाले की ओर ले जाता है। जिनके नाम पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है, वह महावीर सिंह के आदर्श हैं। उन्होंने सिकंदराबाद के जेएस कॉलेज से अंग्रेजी एवं हिन्दी दो भाषाओं में एमए किया। उनका कहना है कि डॉ राधाकृष्णन ने सात भाषाओं से एमए किया। उन तक मैं नहीं पहुंच पाया। साधारण परिवार से नाता रखने के कारण शिक्षक के पद पर कार्य करना चुनौतीपूर्ण होने के साथ मेरे लिए उत्साह से भरा था। वर्ष 2000-2001 में जिला व्यायाम शिक्षक, कबड्डी कोच बने।

इससे पूर्व देवटा पूर्व माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक पद पर सेवाएं दी। जिस विद्यालय में सेवाएं देता था, चालीस फीसद पुरस्कार उसी विद्यालय की झोली में आते थे तब लोग दनकौर का मोटा पानी है, तो पुरस्कार तो आने थे, कहकर बुलाते थे। यह उनके जीवन की याद है, जिसे वह कभी भुला नहीं पाएंगे। वर्ष 2013 में विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा इनके कार्यकाल में इंस्पायर्ड अवार्ड के लिए एक विद्यार्थी का चयन किया गया।

हर बच्चों को मिले शिक्षा का अधिकार : रूप सिंह

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : देश के हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। शिक्षा का राष्ट्रीयकरण होना चाहिए। पब्लिक और सरकारी स्कूलों में समान पाठ्यक्रम होना चाहिए। दोनों स्कूलों में शिक्षक चयन नीति भी समान प्रक्रिया के तहत होनी चाहिए। इसके अलावा दोनों स्कूलों के बच्चों को वेतन भी समान मिलना चाहिए। जब तक सरकारी और पब्लिक स्कूलों में भेदभाव बंद नहीं किया जाएगा, तब तक गरीबों के बच्चे शिक्षा से दूर रहेंगे। यह बात राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त मेजर रूप सिंह नागर ने कही। वह रोजा याकूबपुर स्थित जनता इंटर कालेज में शिक्षक हैं। दो वर्ष पहले रूप सिंह नागर को राष्ट्रपति पुरस्कार मिला। शिक्षक दिवस पर दैनिक जागरण से विशेष बातचीत में उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां पब्लिक स्कूल के बच्चे एसी बसों से स्कूल जाते हैं, वही दूसरी तरफ प्राइमरी विद्यालयों के बच्चों को टॉट पर बैठना पड़ता है। सरकारी स्कूलों में प्राथमिक बिजली और पानी की व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बच्चों को देशभक्ति शिक्षा से दिन पर दिन दूर किया जा रहा है। पब्लिक स्कूल केवल फर्राटे दार अंग्रेजी पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह एक खाका तैयार कर रहे है, जिसमें पब्लिक और सरकारी स्कूलों के बीच के अंतर को दर्शाया जाएगा। पूरे खाका को डाक के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा जाएगा।

छोटी उम्र से करें 60 साल की तैयारी : किरन बेदी

- नॉलेज पार्क के जीएल बजाज कॉलेज के छात्रों को किया संबोधित
- सीडीआर से मिलती है जिंदगी में सफलता

जागरण संवाददाता,ग्रेटर नोएडा : छोटी उम्र से 60 साल की तैयारी करें। हमेशा उस काम को आदत में डालें, जो 60 साल की उम्र तक किया जा सकता है। हर तरफ ज्ञान का उजियारा फैलाने का प्रयास करें। स्कूल हो या कॉलेज हर तरह की गतिविधि में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। अतिरिक्त गतिविधियों से हमेशा खुद की इच्छा शक्ति मजबूत होती है। सदैव अपना आचरण दूसरों के प्रति शांत रखें। जिंदगी में छोटी उम्र से ही योग करें। यह बाते पूर्व आइपीएस किरन बेदी ने कही।

वह नॉलेज पार्क के जीएल बजाज कॉलेज के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिंदगी में हमेशा सीडीआर को लागू करें। सी- कैलेंडर, डी- डायवरसिटी और आर- रिस्क। उन्होंने छात्रों से कहा कि बिना जिंदगी का कैलेंडर बनाएं, किसी तरह की कामयाबी नहीं मिल सकती।

डायवरसिटी और रिस्क से जिंदगी के हौसलों को उड़ान मिलती है। यदि जिंदगी में कामयाब होना है तो रिस्क लेना बहुत जरूरी है। उन्होने कहा कई बार यह सुनने को मिलता है कि छात्र खुद के निर्णय रिस्क की वजह से नहीं ले पाते जिससे उनको भविष्य का नुकसान होता है। कार्यक्रम के अंत में किरन बेदी ने छात्रों से कहा कि हमेशा स्किल को डेवलप करें और योग को रोज की दिनचर्या में शामिल करें। जिंदगी में कभी खाली नहीं बैठे। इस मौके पर मुख्य रूप से निदेशक डा. राजीव अग्रवाल, डीन डा. मुकुल गुप्ता, महानिदेशक डा. शेखर घोष, डा. दीपा गुप्ता सहित कॉलेज के छात्र व शिक्षक मौजूद रहे।

ग्रेनो के जीएल बजाज कालेज में आयोजित ऑरिएंटेशन कार्यक्रम में छात्रों के बीच पूर्व आइपीएस किरण बेदी । जागरण

शिक्षकों को किया सम्मानित

जासं, नोएडा : विजय सिंह पथिक सेवा संघ नोएडा ने शिक्षक दिवस के मौके पर शुक्रवार को सेक्टर-12 स्थित राजकीय इंटर कालेज में 40 शिक्षक व शिक्षिकाओं को शाल और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान इंटर कालेज के प्रधानाचार्य शेर सिंह वरूण, सुखबीर रावत, मनोज कटारिया, अमित डेढा, रेखा गुप्ता, डॉ. विभा चौहान, कमल अवाना, झरना दुबे, रुचि शर्मा, अंजू देवी, चुनमुन रानी, कृष्णपाल कसाना, देविंदर सिंह, बलवंत सिंह, नीलम यादव, संगीता नारायण, नेहा गुप्ता, लीला रावत, ममता रानी, वंधिता त्यागी, आशा, किरन और विजय सिंह पथिक सेवा संघ के अध्यक्ष ओमबीर अवाना, डॉ. सतीश अवाना, गौतम अवाना, चमन अवाना व पुरुषोतम नागर सहित काफी लोग मौजूद रहे।

बच्चों को बताया शिक्षा का महत्व

शिक्षक दिवस पर ग्रेनो के एच्छर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित लेमन रेस में भाग लेते बच्चे। जागरण

शिक्षक दिवस पर ग्रेनो के डाढ़ा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित पेंटिंग प्रतियागिता के विजेता बच्चे। जागरण

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: शुक्रवार को शहर के स्कूलों में शिक्षक दिवस मनाया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्कूलों में बच्चों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

डाढ़ा गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कला और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता बच्चों को पुरस्कार भी दिए गए। ऐच्छर प्राथमिक विद्यालय में बोरा दौड़, चम्मच रेस, कला और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रेयान इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों ने कई तरह के रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। सावित्री बाई फूले बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य रीमा डे बच्चों को संबोधित करते हुए हमेशा शिक्षक की बताई गई बातों पर चलने को कहा। जीडी गोयनका के बच्चों ने कार्यक्रम पेश कर शिक्षक के प्रति सम्मान की भावना व्यक्त की। ग्रेटर वैली स्कूल के बच्चों ने मैजिक डांस कर सभी शिक्षकों को अचंभित कर दिया। एपीजे स्कूल में बच्चों ने कविता सुनाकर शिक्षक दिवस मनाया। राव कौशल स्कूल में बच्चों ने देश भक्ति गीत गाए। स्कूल के चेयरमैन हरेंद्र सिंह भाटी ने छात्रों को सम्मानित किया। आइआइएमटी कालेज में छात्रों ने कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। स्काइलाइन कालेज के चेयरमैन एसएल वासवानी ने छात्रों को शिक्षक दिवस का महत्व बताया।

मजदूरों के बच्चों में जगा रही शिक्षा की अलख

- नेहा पाण्डेय ने उठाया है बच्चों को शिक्षित करने का जिम्मा

जागरण संवाददाता,ग्रेटर नोएडा : शहर के स्वर्ण नगरी सेक्टर में रहने वाली महिला नेहा पाण्डेय ने मजदूरों के बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने का जिम्मा उठाया है। खास बात यह है कि छुट्टी के दिन नेहा के पति राकेश भी इसमें उनकी मदद करते है बच्चों को शिक्षा देकर वह देश के भव्य निर्माण में अहम भूमिका निभाना चाहती है।

मूल रूप से गोरखपुर की रहने वाली नेहा पाण्डेय गृहणी है। दो साल पहले वह घर के सामने बने पार्क में घूम रही थी। तभी उनको आधा दर्जन बच्चे एक दूसरे से मारपीट करते हुए दिखाई दिए। उन्होंने बच्चों से पूछा कि स्कूल में यही सिखाते है मारपीट करना ,तो बच्चों ने बेहद रोमांचित कर देने वाला जवाब दिच। बच्चों ने कहा कि अगर स्कूल जाते तो हम भी शूट बूट में होते। यह बात नेहा के दिल को छू गई। उसी दौरान नेहा ने ठाना कि वह सेक्टर में रहने वाले गरीब बच्चों को शिक्षा देंगी। आधा दर्जन बच्चों से शुरू हुआ कारवां पचास के पार पहुंच चुका है। खास बात यह है कि कई बार तो वह सेक्टर में सर्वे अभियान अपनी सहेलियों के साथ चलाती है। जिससे कि यह पता चल सकें कि किस घर में कितने अनपढ़ बच्चे है। दैनिक जागरण से विशेष बातचीत के दौरान नेहा पाण्डेय ने बताया कि वह चाहती है कि देश का प्रत्येक बच्चा पढ़े लिखे और आत्मनिर्भर हो। इसके लिए चाहे उनको अपना पूरा जीवन गरीब बच्चों को पढ़ाना पढ़े। नेहा खुद तो बच्चों को पढ़ाती ही है साथ ही अपने सगे संबंधियों से भी गरीब बच्चों को पढ़ाने के लिए कहती है। मजदूरों के बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ उनको पठन-पाठन की सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है। इसमें नेहा के पति राकेश उनका साथ देते है। राकेश खुद की कोचिंग चलाते है। बच्चों को शिक्षा के प्रति बढ़ावा देने के लिए वह कोचिंग में अव्वल रहने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति भी देते है।

चुनाव तैयारी को लेकर पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : सूरजपुर स्थित पुलिस लाइन में शुक्रवार को चुनाव तैयारी को लेकर मॉक ड्रिल की गई। मॉक ड्रिल में प्रयोगात्मक अभ्यास भी किया गया। पुलिस कर्मियों ने फायरिंग व बमबारी कर दंगा निरोधी मॉक ड्रिल में खूब पसीना बहाया। एसएसपी डा. प्रीतिंदर सिंह ने भी ग्रेनेड फेक कर अभ्यास किया। इस अवसर पर जनपद पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी सहित उनके हमराह व सभी थानों के थाना प्रभारी मौजूद थे। आरआइ दलबीर सिंह यादव ने बताया कि जिला प्रशासन के साथ पुलिस विभाग भी चुनाव की तैयारी में जुट गया है। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था के निर्देश पर शुक्रवार को सूरजपुर स्थित पुलिस लाइन में दंगा निरोधी उपकरणों का जमकर अभ्यास किया गया। एसएसपी डा. प्रीतिंदर सिंह ने भी पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल के दौरान हैंड ग्रेनेड फेंक कर जम कर अभ्यास किया। इस अवसर पर सभी थाना प्रभारी, सीओ व लाइन के पुलिसकर्मी अभ्यास में मौजूद थे। दोपहर 12 बजे से मॉक ड्रिल शुरू हुआ था। अभ्यास करीब डेढ़ घंटे तक चला। इसमें जनपद के सभी सर्किल के सीओ, सभी थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारियों के हमराह व पुलिस लाइन में तैनात पुलिसकर्मियों ने अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने व्यवहारिक रूप से उपकरणों के इस्तेमाल की जानकारी दी।

हिंडन बैराज पर चल रहे निर्माण से लगा जाम

- वसुंधरा की ओर आने और हिंडन पुल की ओर जाने वाले लोगों को हुई असुविधा

जागरण संवाददाता, वसुंधरा (गाजियाबाद) : शुक्रवार की सुबह हिंडन बैराज व हिंडन नहर मार्ग पर करीब चालीस मिनट तक लंबा जाम लगा रहा। बैराज पर बने रेलवे पुल पर रेलवे ट्रैक में काम के चलते सड़क किनारे मशीनें लगी होने व उसका सामान रखे होने से सड़क पर वाहनों के आवागमन पर रुकावट आई। साथ ही सुबह का समय होने के कारण भीड़ ज्यादा होने से भी वाहनों के निकलने में दिक्कत आई। लगभग चालीस मिनट तक जाम से इस रोड पर यातायात रुका रहा।

जाम लगने पर हिंडन बैराज पर आने व जाने वाले वाहनों वाहनों की दोनों ओर कतारें लग गई। वहीं कांशीराम की ओर से आने वाले मार्ग पर भी वाहनों का दबाव बढ़ने से लोगों को वसुंधरा और हिंडन बैराज होकर जाना पड़ा। जाम लगने के बाद कुछ लोगों ने गलत दिशा में वाहनों को लाकर समस्या पैदा कर दी। जाम के दौरान यातायात कर्मियों के हिंडन बैराज तक नहीं पहुंच पाने से भी लोगों को अधिक परेशानी हुई। यातायात निरीक्षक अनिल यादव का कहना है कि सूचना मिलने के बीस मिनट के भीतर यातायात पुलिस के चार सिपाहियों ने जाम खुलवा दिया था।

अव्यक्त को जानने के लिए अध्यात्म जरूरी : कोहली

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: गुजरात के राज्यपाल ओपी कोहली ने कहा कि अव्यक्त को जानने के लिए आध्यात्म जरूरी है। गुरु जरूरी है। गुरु व आध्यात्म ही वे माध्यम हैं, जिसके जरिये हम अव्यक्त के करीब पहुंचते हैं। वे बृहस्पतिवार को दिल्ली पुस्तक मेले में डॉ. सीबी सत्पथी की दो पुस्तकों के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे।

शिरडी साई ग्लोबल फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करने पहुंचे कोहली ने इस मौके पर गुरु की महिमा और ज्ञान के महत्व को परिभाषित किया। उन्होंने लोगों की परेशानियों का निदान करने को लेकर कहा कि आपकी नियति यदि साफ है तो उसका लाभ है, अन्यथा वह व्यर्थ है। डॉ. सीबी सत्पथी की दोनों किताबों के विषय में उन्होंने कहा कि ये मन को प्रसन्न करने वाला ललित साहित्य नहीं है, ये विचारों को उद्वेलित करने वाला साहित्य है। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राजीव प्रताप रुडी ने दो घटनाओं के माध्यम से बताया किस तरह से होनी को कोई टाल नहीं सकता। उन्होंने पहला उदाहरण महाराष्ट्र के कद्दावर नेता गोपीनाथ मुंडे की अचानक हुई मौत के विषय में दिया और दूसरा हाथी के अहंकार में आकर गड्ढे में गिरने की कहानी के माध्यम से दिया। राजीव प्रताप रुडी ने इस मौके पर डॉ.सीबी सत्पथी से नेताओं के मार्गदर्शन के लिए भी कुछ लिखने की गुजारिश की।

इस मौके पर डॉ. सत्पथी ने अपनी दोनों ही पुस्तकों 'अव्यक्त से व्यक्त' व 'श्री गुरु भागवत -प्रथम खंड' (गुजराती भाषा) के विषय में कहा कि भाव हीन पूजा और हृदय हीन सेवा भाव से कुछ भी हासिल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि उक्त पुस्तकों के माध्यम से उन्होंने प्रयास किया है कि लोग मानव कल्याण में विश्वास करें और आध्यात्म की ओर बढ़ें। उन्होंने कहा कि ये जरूरी नहीं है कि हम पूजा पाठ के माध्यम से ही अव्यक्त के करीब पहुंच सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि भावपूर्ण होकर हम उसके विषय में सोचें, विचार करें और उसे प्राप्त करने के लिए सच्चे मन से प्रयास करें।

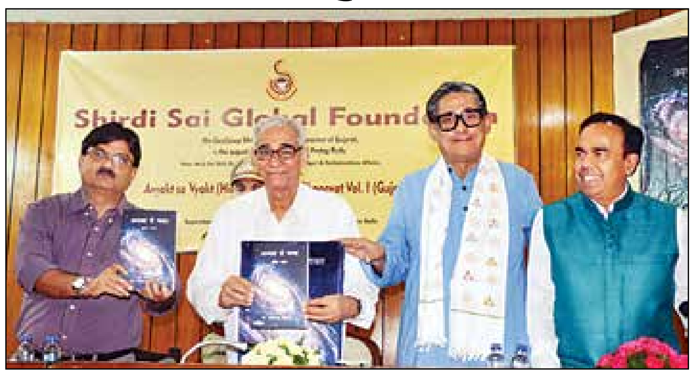

दिल्ली पुस्तक मेले मे बृहस्पतिवार को लेखक डा चन्द्रभानु सतपथी की पुस्तक का विमोचन करते गुजरात के राज्यपाल ओ पी कोहली साथ मे केन्द्रीय राज्य मंत्री राजीव प्रताप रूडी व अन्य। जागरण

गोल्डन फैडरेशन ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: गोल्डन फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शहर में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने की मांग की। थानाध्यक्षों व आरडब्ल्यूए के बीच नियमित बैठक की भी मांग की। एसएसपी ने शिकायत के जल्द निस्तारण का भरोसा दिया। फेडरेशन के अध्यक्ष देवेंद्र टाइगर ने कहा कि शहर में आपराधिक वारदात में इजाफा हो रहा है। चेन व मोबाइल छिनैती, विदेशी नागरिकों द्वारा मारपीट की घटनाएं हो रही हैं। किराएदारों के सत्यापन में लापरवाही बरती जा रही है। पुलिस ने पूर्व में आरडब्ल्यूए के साथ नियमित बैठकों को आश्वासन दिया था। ताकि जनता व पुलिस के बेहतर समन्वय से अपराध पर अंकुश लगाया जा सके। लेकिन पुलिस नियमित बैठकों को लेकर उदासीन बनी है।

पुलिस कर्मियों ने कराई जांच

जासं, ग्रेटर नोएडा : सूरजपुर स्थित पुलिस लाइन में दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब चार सौ लोगों ने जांच कराई। जांच में दूसरे दिन सबसे अधिक मरीज मौसमी बीमारी से पीड़ित मिले। आरआइ दलबीर सिंह यादव ने बताया कि एसएसपी डा. प्रीतिंदर सिंह के प्रयास से फेलिक्स अस्पताल नोएडा के सौजन्य से दो दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर बृहस्पतिवार व शुक्रवार को आयोजित की गई। शिविर में जांच कराने वाले मरीजों में महिलाओं व बच्चों की संख्या सबसे अधिक रही। जबकि पहले दिन पुरूष मरीजों की संख्या सबसे अधिक मिली थी। कुछ मरीजों को अस्पताल में जांच कराने व नियमित रूप से उपचार कराने की डाक्टरों ने सलाह दी।

बिजली घरों की क्षमता को बढ़ाया जाएगा

विद्युत सब स्टेशन। जागरण

कुंदन तिवारी, नोएडा :

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की ओर से नोएडा को बिजली कटौती के संकट से बचाने का प्रयास शुरू हो गया है। इसके तहत अब नोएडा के सभी बिजली घरों की क्षमता को बढ़ाया जाएगा। इसका प्रस्ताव तैयार करने का काम सर्कल कार्यालय की ओर से शुरू किया गया है। इसके लिए सभी डिविजन कार्यालय को अधीक्षण अभियंता की ओर से निर्देश जारी किया गया है। एक माह के अंदर सर्वे रिपोर्ट कार्यालय पर तलब की है। इसमें यह यह देखा जाएगा कि कौन से बिजली घर की कितनी क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। इस पर कितना खर्च आएगा। इस खर्च का एक प्रस्ताव तैयार कर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय भेजा जाएगा। जो पूरी योजना पर राशि को चर्च करेंगी।

बिजली निगम अधिकारियों के मुताबिक नोएडा नो पावर कट जोन में है, लेकिन यहां पर लगातार बिजली की खपत बढ़ रही है। ओवर लोड के कारण बार- बार ट्रिपिंग की स्थिति उत्पन्न होती है। ऐसे में सरकार की ओर से नोएडा को नो पावर कट की योजना का सटीक लाभ नहीं उपलब्ध कराया जा पा रहा है। ऐसे में बिजली घरों की क्षमता बढ़ाने की योजना को अमल में लाने का प्रयास किया गया है। नोएडा शहर को छह डिविजन में बंटा है। शहर में चार डिविजन है, जबकि एक खोड़ा डिविजन अलग है। इसके बाद छठा डिविजन दादरी है। ग्रेटर नोएडा अलग है। इसमें दादरी, जेवर और दनकौर शमिल है। इसके अलावा नोएडा के क्षेत्र में 200 गांव और 105 मजरा भी शमिल है।

बिजली घरों की क्षमता बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार होना शुरू हो गया है। एक माह में सभी डिविजन कार्यालय से रिपोर्ट सर्कल पर उपलब्ध हो जाएगी। इसके बाद आने वाले खर्च का आंकलन किया जाएगा। जिसे नोएडा प्राधिकरण के पास प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा। खर्च का वहन प्राधिकरण की ओर से ही किया जाना है।

-मुकुल सिंघल, अधीक्षण अभियंता, यूपीपीसीएल।

खेल : ब्रांड एंबेसडर नारायण कार्तिकेयन ने किया बिल्डर के साइट पर पौधरोपण

दो वर्ष बाद हो सकती है देश में फार्मूला वन रेस

दनकौर में पौध रोपण करते कार रेसर नारायण कार्तिकेय। जागरण

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट पर एक बार फिर से फार्मूला वन रेस होने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। वर्ष 2017 के बाद यहां फार्मूला वन रेस आयोजित कराने की संभावना प्रबल है। रबूपुरा क्षेत्र में ओसिस बिल्डर के एक कार्यक्रम में शुक्रवार को शामिल होने के आए इंडियन ग्रां पी के पूर्व विजेता कुमार नारायण कार्तिकेयन ने भी फार्मूला वन दोबारा आयोजित होने के संकेत दिए हैं। वह इस बिल्डर ग्रुप के ब्रांड एंबेसडर भी है। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान परिसर में पौधरोपण भी किया। पिछले वर्ष से यहां फार्मूला वन रेस बंद है। देश में भी इस रेस के दीवानों की संख्या लाखों में हैं। केंद्र सरकार इस रेस को संकट से उबारने के लिए पहल कर रही है। कार्तिकेयन ने कहा है कि मोटर वाहन रेस को अभी तक खेल क्षेत्र से बाहर रखा जाता था, लेकिन केंद्र सरकार ने रेस की लोकप्रियता के कारण मोटर वाहन रेस को खेल के क्षेत्र में शामिल करने की कवायद कर रही है। केंद्र सरकार के इस कदम की उन्होंने बेहद प्रशंसा की है। केंद्र सरकार के इस फैसले के तहत फार्मूला वन रेस के आयोजकों को अब मनोरंजन कर के रूप में मोटी रकम चुकाने से काफी हद तक निजात मिल जाएगी। केंद्र सरकार के इस पहल के बाद यहां फार्मूला वन रेस की प्रबल संभावना एक बार फिर से जगी है। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा का बुद्धा इंटरनेशनल सर्किट विश्व का बेहतरीन सर्किट है। यहां का रेस के दौरान फर्राटे भरने का अनोखा अनुभव है। इस तरह की ट्रैक अन्य देशों में नहीं है। इस मौके पर संजय नागर, राजू नागर आदि भी मौजूद रहे।

कार्तिकेयन को बनाया ब्रांड एंबेसडर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारायण कार्तिकेयन को मेक इन इंडिया का दक्षिण एशिया का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। वह दक्षिण एशिया के देशों में प्रचार-प्रसार करेंगे।

टेनिस प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: जेपी ग्रीन के ग्रीन अटलांटिस एकेडमी द्वारा आयोजित टेनिस प्रतियोगिता के विजेताओं को शुक्रवार को पुरस्कृत किया। जेपी इंटीग्रेटिड स्पोर्ट्स सिटी में आयोजित कार्यक्रम में जेपी अटलांटिस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव रामपाल व टीम टेनिस क्लब के निदेशक आदित्य सचदेवा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

अंडर 8 वर्ग में जय विजय व अनध्या विजेता रहे जबकि सुयश, यजत उप विजेता रहे। अंडर 10 में अनध्या विजेता व आयुष अधिकारी उपविजेता रहे। इसी आयु वर्ग की अन्य प्रतियोगिता में गीताज्ञा विजेता बनी जबकि मिहिर उपविजेता रहे। अंडर 12 में सुवांश को विजेता व विजयंत को उप विजेता का पुरस्कार मिला। अंडर 14 श्रद्धा विजता व तृष्या दत्ता को उपविजता, कुनाल धींगरा को विजता व सुवांश अरोरा को उपविजेता का पुरस्कार मिला।

अंडर 18 में कबीर को विजेता और तुषार सिरोही को उप विजेता के पुरस्कार से नवाजा गया। इस मौके पर जेपी स्पोर्ट्स क्लब के एजीएम प्रदीप कुमार, मुख्य कोच आशीष चौरसिया मौजूद रहे।

ग्रेनो के जेपी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में टेनिस के विजेता बच्चे। जागरण